राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम का आसिया ब्राउन बोवेरी के साथ सहयोग

3006. **श्री राम जेठमलानी:**
श्री रणजीत सिंह:

क्या **विद्युत और गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोत** मंत्री 10 मार्च, 1992 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न 1999 के दिये गये उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम और आसिया ब्राउन बोवेरी, स्विटजरलैण्ड के बीच लाभ की भागेदारी की प्रतिशतता को भी अंतिम रूप दे दिया गया है;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ग) इस विदेशी कंपनी द्वारा विदेश निर्मित संयंत्रों और उपकरणों के अलावा भारतीय परियोजनाओं के निर्माण में कितने प्रतिशत विदेशी मुद्रा का निवेश किया जायेगा?

विद्युत और गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्पनाथ): (क) से (ग) विद्युत क्षेत्र में निजी-क्षेत्र भागीदारी के लिए भारत सरकार की नई नीति के अन्तर्गत विद्युत परियोजनाओं की स्थापना हेतु मै० ए०बी०बी० तथा राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम के बीच प्रस्तावित संयुक्त उपक्रम के अन्तर्गत इक्विटी में हिस्सेदारी, आपूर्ति के स्रोतों तथा विद्युत पोषण आदि समेत रूपात्मकताएं तथा ब्यौरों की अभी निर्धारण किया जाना है।

उत्तर प्रदेश के लिए विद्युत की आपूर्ति

3007. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय:** क्या **विद्युत और गैर-पारम्परिक ऊर्जा स्रोत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने निकट भविष्य में उत्तर प्रदेश के लिए विद्युत की निर्बाध आपूर्ति किए जाने के संबंध में कोई योजना बनाई है;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ग) इस उद्देश्य को किस तरह से प्राप्त किया जाएगा?

विद्युत और गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्पनाथ राय): (क) से (ग) आठवीं पंचवर्षीय योजना को अभी अंतिम रूप दिया जाना है तथापि विद्युत सम्बन्धी ग्रुप की रिपोर्ट के अनुसार आठवीं योजना के दौरान उत्तर प्रदेश में 2532.5 मे०वा० क्षमता जोड़े जाने की परिकल्पना की गई है। इसके अतिरिक्त उत्तरी क्षेत्र में केन्द्रीय क्षेत्र के अधीन स्थापित किए जा रहे विद्युत केन्द्रों से भी राज्य को इसके समुचित हिस्से की विद्युत भी प्राप्त होगी। उत्तर प्रदेश में विद्युत की उपलब्धता में बढ़ोतरी किए जाने के लिए किए जा रहे अन्य विभिन्न उपायों में ये शामिल हैं; विद्यमान विद्युत उत्पादन केन्द्रों से ईष्टतम विद्युत उत्पादन करना, विद्युत उत्पादन केन्द्रों के नवीकरण एवं आधुनिकीकरण कार्यक्रम को क्रियान्वित करना, पारेषण एवं वितरण सम्बन्धी हानियों की मात्रा को कम करना, प्रभावी भार प्रबन्धन, ऊर्जा संरक्षण आदि। जब कभी भी प्रणालीगत परिस्थितियाँ इस प्रकार के विद्युत अन्तरण के अनुकूल होती हैं तो पड़ौसी प्रणाली से भी उत्तर प्रदेश की सहायता की जाती है।

Joint Meeting of State Power Ministers

3008. SHRI SYED SIBTEY RAZI: Will the Minister of POWER AND NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES be pleased to state:

(a) whether a joint meeting of State Power Ministers has been called for during April, 1992; and

(b) if so, what are the details thereof togetherwith the issues to be discussed?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF POWER AND NON-CONVENETIONAL ENERGY SOURCES (SHRI KALP NATH RAI): (a) and (b) A Conference of the Power Ministers of States is scheduled to be held in New Delhi on the 4th April. 1992.

The main issues likely to be discussed in the Power Ministers' Conference are:—

1. Review of the Performance of the Power Sector;

2. Financial Performance of State Electricity Boards;

3. Need for accelerated development of Hydro Resources;

4. Private Sector Participation;

5. Utilisation of External Assistance; and

6. Grid Discipline and Tariff for Inter-regional Exchange of Power.

Pending Power Projects of West Bengal

3009. SHRI PROF SAURIN BHATTACHARYA: Will the Minister of POWER AND NONCONVENTIONAL ENERGY SOURCES be pleased to state:

(a) What are the details of power projects from the State of West Bengal awaiting clearance of the Central Government and other connected authorities till date:

(b) what steps have been taken or are being taken to increase power generation capacity by the State;

(c) whether Government have earmarked the generation target for the State during the Eighth Five Year Plan period; and

(d) if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF POWER AND NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES (SHRI KALP NATH RAI): (a) to (d) The information is being collected and will be laid on the Table of House.

Exploitation of Biomass Power Technology

3010. SHRI DHULESHWAR MEENA: Will the Minister of POWER AND NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES be pleased to state:

(a) whether any long term plan has been formulated for the exploitation of the biomass power technology in the rural areas which have been bypassed by the urban-based centralised power grid on account of the prohibitive cost of power transmission to areas of low-load demand;

(b) if so, what are the broad features and financial implications thereof;

(c) whether this plan will also include the generation of energy from waste biomass; and

(d) what is the estimated quantity of power that can be generated from rice straw and rice husk which are available in the country in millions of tonnes?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF POWER AND NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES (SHRI KALP NATH RAI):

(a) to (c) Although no long term plan for use of biomass for power generation has been formulated, the existence of this potential is well recognised. Research and Development and Demonstration Projects have been taken up like 10 MW Fluidised Bed Rice Straw Power at Jalkheri, Punjab; Tow bagasse based congeneration projects of 7.5 MW each in Tamil Nadu; several biomass gasification linked power projects ranging from 3 KW to 100 KW based on a wide variety of biomass wastes aggregating about 6.5 MW etc. Capacity addition of 300 MW through thermal/thermochemical conversion of wastes has been proposed during the VIII Plan depending avilability of funds. (d) About 1000 MW of power could be generated from presently